

केन्द्रीय विद्यालय संगठन - लखनऊ संभाग
सत्रांत परीक्षा (2022- 2023)
कक्षा- 9 वीं

निर्धारित समय : 3घंटे

विषय – हिंदी (अ)

पूर्णांक : 80

अंक योजना

सामान्य निर्देश:

- (1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- (2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।
- (3) समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।
- (4) गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

		खंड- 'अ' वस्तुपरक/बहुविकल्पी प्रश्न	
प्रश्न क्रम सख्या		उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न 1.	(i)	(ग) बाल- श्रम को समाप्त करना केवल सरकार का दायित्व है ।	1
	(ii)	(घ) हम सवेदना शून्य हो चुके हैं ।	1
	(iii)	(घ) कथन a) और d) सही हैं ।	1
	(iv)	(ख) निधनता और भुखमरी हैं ।	1
	(v)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) को सही व्याख्या है ।	1
प्रश्न 2.	(i)	(ख) कथन c) और d) सही हैं ।	1
	(ii)	(ग) सुनहरी फसल	1
	(iii)	(ख) किशोरियों को कॉकिल कठो तान	1
	(iv)	(घ) उपयुक्त सभी	1
	(v)	(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) को सही व्याख्या नहीं है ।	1

अथवा			
	(i)	(घ) कथन a) और d) सही हैं ।	1
	(ii)	(ख) अपनी बोटिया के रूप में ।	1

		(ग) मा को मिट्टी खिलाने लाने के कारण ।	1
	(iii)	(ख) उसका अग-अग पुलकित हो रहा था और उसकी भौली आखों में उत्सुकता छलक रही थी ।	1
	(iv)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) को सही व्याख्या है ।	1
	(v)		
प्रश्न 3.	(i)	(घ) निजेन	1
	(ii)	(क) आगत	1
	(iii)	(ग) आवट	1
	(iv)	(ग) समुचित	1
	(v)	(क) अप + मान + इत	1
प्रश्न 4.	(i)	(ख) द्रुवेगु समास	1
	(ii)	(ग) अव्ययीभाव समास	1
	(iii)	(ख) नीलकण्ठ	1
	(iv)	(क) कर्मधारय	1
	(v)	(घ) तत्पुरुष	1
प्रश्न 5.	(i)	(ख) प्रश्नवाचक	1
	(ii)	(घ) विस्मयादेवाचक	1
	(iii)	(क) सदेहवाचक	1
	(iv)	(ग) विधानवाचक	1
	(v)	(घ) निषेधात्मक	1
प्रश्न 6.	(i)	(ग) अनुप्रास	1
	(ii)	(घ) यमक	1
	(iii)	(क) रूपक	1
	(iv)	(घ) यह दोखेए, अरावेद- से, शिशुवृद्ध कैसे सो रहे	1
	(v)	(ख) रूपक	1
प्रश्न 7.	(i)	(ख) प्रेमचंद को ओर	1
	(ii)	(क) सभी अपनी कमज़ोरियों को ढक रहे हैं	1
	(iii)	(घ) सघषों से बचना	1
	(iv)	(घ) सघष से बचने वाले लोग	1
	(v)	(घ) पाव के तलुवे का सुरक्षित होना	1
प्रश्न 8.	(i)	(घ) डाढ़े	1
	(ii)	(क) सामंतों सस्कृते	1
प्रश्न 9.	(i)	(ग) सासे	1
	(ii)	(घ) जीवन को	1
	(iii)	(ख) परमात्मा के	1
	(iv)	(घ) कश्मीरी	1
	(v)	(घ) लालों	1
प्रश्न 10.	(i)	(ग) चद्रमा	1
	(ii)	(क) भगवान के लिए	1
		खंड – 'ब' – (वर्णनात्मक प्रश्न)	

प्रश्न 11.	(क)	हीरा के इस कथन से यह ज्ञात होता है कि समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें शारीरिक यातनाएँ दी जाती थीं। इसलिए समाज में ये नियम बनाए जाते थे कि उन्हें पुरुष समाज शारीरिक दंड न दे। हीरा और मोती भले इंसानों के प्रतीक हैं। इसलिए उनके कथन सभ्य समाज पर लागू होते हैं।	(2x3=6)
	(ख)	सन् 1929 – 30 के तत्कालीन में हाथियार रखने से संबंधित कोई कानून नहीं था। इस कारण लोग खुलेआम पिस्तौल, बंदूक आदि रखते थे। दूसरे, वहाँ अनेक निर्जन स्थान भी थे, जहाँ न पुलिस का प्रबंध था, न खुफिया विभाग का। वहाँ डाकू किसी को भी आसानी से मार सकते थे। इसलिए यात्रियों को हत्या और लूटमार का भय बना रहता था।	
	(ग)	एक बार बचपन में सालिम अली को एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में जुट गए। उसके बाद उनकी रुचि पूरे पक्षी-संसार की ओर मुड़ गई। वे पक्षी प्रेमी बन गए।	
	(घ)	प्रेमचंद गाँव के साधारण किसानों को भाँते जीवन-यापन करते थे। यद्यपि वे राष्ट्रीय ख्याति के कथाकार थे, तो भी उनका रहन-सहन आडंबरहीन था। वे साधारण कर्ता-धोती पहनते थे। उनके साधारण-से जूतों को देखकर उनकी सादगी का परिचय मिल जाता था।	
प्रश्न 12.	(क)	कावे को ब्रजभूमि से गहरा प्रेम है। वह इस जन्म में ही नहीं, अगले जन्म में भी ब्रजभूमि की वासी बने रहना चाहता है। ईश्वर अगले जन्म में उसे ग्वाला बनाएँ, गाय बनाएँ, पक्षी बनाएँ या पत्थर बनाएँ- वह हर हाल में ब्रजभूमि में रहना चाहता है। वह ब्रजभूमि के वन, बाग, सरोवर और करील-कुंजों पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने को भी तैयार है।	(2x3=6)
	(ख)	कावे को अंदेशा है कि कोयल कैदियों पर ढाए जाने वाले घोर अत्याचारों को देखकर द्रवित हो उठी है। इसलिए दुख के मारे आधी रात में ही उसके मुख से चीख निकल पड़ी है।	
	(ग)	गाँव में चारों ओर मखमलों की रंगीनी और रंगों की लाली छाई हुई है। विविध फसलें लहलहा रही हैं। वातावरण मनमोहक सुगंधों से भरपूर है। रंगीन तिलियाँ उड़ रही हैं। चारों ओर रेशमी सौंदर्य छाया हुआ है। सूरज की मीठी-मीठी धूप इस सौंदर्य को और जगमगा रही है। इसलिए इस गाँव की तुलना मरकत डिब्बे से की गई है।	
	(घ)	मेरे विचार से बच्चों को काम पर बिल्कुल नहीं भेजा जाना चाहिए। कारण यह है कि बच्चों की उम्र कच्ची होती है। मन भावुक होता है। यह उनके खेलने-खाने और सीखने की उम्र होती है। उन्हें पर्याप्त कोमलता और संरक्षण की आवश्यकता होती है। बच्चों को पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने, घूमने-फिरने और मनोरंजन करने के भरपूर अवसर मिलने चाहिए।	
प्रश्न 13.	(क)	जब लेखक को अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घसने की संभावना है तो उसने सबसे पहले ईंधन का प्रबंध किया। फिर खाने के लिए आलू, प्रकाश के लिए मोमबत्ती और दियासलाई, पीने के लिए पानी तथा कपड़े की गोलिएँ एकत्र कीं। उसने बाढ़ आने पर छत पर चले जाने का भी प्रबंध सुनिश्चित कर लिया।	(4x2=8)

	(ख)	लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा नहीं था, किंतु उनके बारे में सुना अवश्य था। उसने सुना था कि उसकी नानी ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में प्रसिद्ध क्रांतिकारी प्यारेलाल शर्मा से भेंट की थी। उस भेंट में उन्होंने यह इच्छा प्रकट की थी कि वे अपनी बेटी की शादी किसी क्रांतिकारी से करवाना चाहती हैं, अंग्रेजों के किसी भक्त से नहीं। उनकी इस इच्छा में देश की स्वतंत्रता की पवित्र भावना थी। यह भावना बहुत सच्ची थी। इसमें साहस था। जीवन-भर पर्दे में रहकर भी उन्होंने किसी पर-पुरुष से मिलने की हिम्मत की। इससे उनके साहसी व्यक्तित्व और मन में सुलगती स्वतंत्रता की भावना का पता चला। लेखिका इन्हीं गुणों के कारण उनके व्यक्तित्व से प्रभावित थी।	
	(ग)	अपनी बेटों का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप अपनी बेटों से अपेक्षा करते हैं कि वह सज-धजकर सुंदर रूप में पेश आए। इसके लिए वह पाउडर आदि बनावटी साधनों का उपयोग करे। वह आने वाले मेहमानों के सामने ढंग से बात करे, अपनी व्यवहार-कुशलता से उनका दिल जीत ले। उसमें जो-जो गुण हैं, उन्हें ठीक तरह से प्रकट करे ताकि वह होने वाले पति और ससुर को पसंद आ जाए। वह उसे कम पढ़ी-लिखी लड़की के रूप में भी पेश करना चाहता है। रामस्वरूप का व्यवहार ढोंग और दिखावे को बढ़ावा देता है। यह झूठ पर आधारित है। बी.ए. तक पढ़ी-लिखी हो कर भी उसे मैट्रिक बताना सरासर धोखा है। ऐसी ठगी पर खड़े रिश्ते कभी टिकाऊ नहीं होते। इसी प्रकार पाउडर लगाकर सुंदर दिखना भी धोखे में रखने जैसा है। रामस्वरूप के व्यवहार को हम उचित नहीं कह सकते।	
प्रश्न 14 .		आरम्भ – 1 अंक विषयवस्तु – 3 अंक प्रस्तुति – 1 अंक भाषा – 1 अंक	(6x1=6)
प्रश्न 15 .		आरम्भ और अंत की औपचारिकताएं – 1 अंक, विषयवस्तु - 2 अंक भाषा – 1 अंक प्रस्तुति – 1 अंक	(5x1=5)
प्रश्न 16 .		प्रारूप – 2 अंक विषयवस्तु - 2 अंक भाषा – 1 अंक	(5x1=5)
प्रश्न 17 .		विषयवस्तु – 2 अंक भाषा – 1 अंक प्रस्तुति – 1 अंक	(4x1=4)

.....